चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 7-8

सेवानिवृत्त कर्मचारी सम्मानित

एचएयू में विदाई समारोह का आयोजन

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य स्टाफ सदस्य।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया।

इस अवसर पर कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत्त न समझें, बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सदैव खुले हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग भी उपस्थित थे।

ये हुए सेवानिवृत्त

विश्वविद्यालय से मई माह में कुल दो शिक्षक-वैज्ञानिक और नौ गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। शिक्षकों-वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान, जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी अटेंडेंट चंद्रभान, कुक रमेशचंद्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर रामनाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

एचएयू में 11 वैज्ञानिक व गैर शिक्षक कर्मियों को दी विदाई

एचएयू में सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ एचएयू के कुलपति प्रो केपी सिंह, रजिस्ट्रार बी आर कांबोज।

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए, जिन्हें विदाई समारोह में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सम्मानित किया। कुलपति ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें। इस दौरान वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा, रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज भी उपस्थित रहे। **ये शिक्षक व कर्मचारी हुए सेवानिवृत्तः** शिक्षकों, वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 3.6.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1

कुलपति ने सेवानिवृत कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार । हकृवि में आज सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए बिदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक, वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। शिक्षकों, वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान शामिल हैं। जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूलाराम, सहायक जगदीशराय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चंद्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर रामनाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण, पंजाब केसरी

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 2, 2 कॉलम 1-2, 7-8

एचएयू के 11 कर्मचारी सेवानिवृत्त, कुलपति ने किया सम्मानित

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया। कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत्त न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर इसके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देना चाहिए। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डा. अतुल ढींगरा ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. बीआर कंबोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डा. एमके गर्ग भी मौजूद थे। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डा. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डा. आरएस चौहान, गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी अटैंडेंट चंद्रभान, कुक रमेश चंद्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेजंर रामनाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

हकृवि कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार, 1 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।

ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैर-शिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफैसर डा. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डा. आर.एस. चौहान जबकि गैर-शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी अटैंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक 1.6.2017 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

हकृवि कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार/01 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति ने इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर इसके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सदैव खुले हैं वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय से मई माह में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों/ वैज्ञानिकों में प्रोफैसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी अटेंडैंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...पाठक पक्ष...
दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

हकृवि कुलपति ने सेवानिवृत कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार, 2 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए बिदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफैसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 1.6.2019 पृष्ठ सं. ....2..... कॉलम ..1-2.....

हकृवि कुलपति ने सेवानिवृत कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह सेवानिवृत कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। कुलपति ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर इसके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देना चाहिए।

विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने कहा इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सदैव खुले हैं वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर काम्बोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफैसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडैंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5.8

परिरक्षण कम होने से 25-30% सब्जियां हो जाती हैं खराब

फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर प्रशिक्षण शिविर संपन्न, वीसी की पत्नी डॉ. संजेश सिंह बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, लेकिन विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है। इससे न केवल किसानों, बल्कि देश को भी आर्थिक हानि होती है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी डॉ. संजेश सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए शनिवार को आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं।

उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। परिरक्षण एक मात्र विधि है, जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है, बल्कि कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा मौसम में ये प्रचुर मात्रा में व सस्ते उपलब्ध रहते हैं। मौसम के बाद ये या तो मिलते नहीं और यदि मिल भी जाएं तो इनका मूल्य बहुत अधिक होता है। ऐसी परिस्थिति में फल व सब्जियों का परिरक्षण एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को दूसरों में बांटे और समूह बनाकर व्यवसाय को आगे बढ़ाएं।

एचएयू में प्रशिक्षण शिविर की समापन पर प्रशिक्षणार्थी को किट देतीं मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह। - अमर उजाला

मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र व परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट बांटीं

साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान ने आयोजित किया कार्यक्रम : प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित कीं। कार्यक्रम में डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा, साइना नेहवाल शिक्षा संस्थान की सह निदेशिका डॉ. मंजु दहिया, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. रीटा गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि: भूमि........

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1-6

हकृवि में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

फल सब्जी परिरक्षण एक लाभकारी व्यवसाय : डॉ. संजेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸हिसार

भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है।

■ कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने कार्यक्रम में की शिरकत

यह बात हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। परिरक्षण एक मात्र विधि है जिसकी सहायता से न केवलफल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है अपितु कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है।

उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अ छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गांव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। उपरोक्त प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था। इस संस्थान की सहनिदेशिका, डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह प्रशिक्षणार्थी को किट देते आयोजक।

लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर डॉ. भुपेंद्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2.5

आयोजन | एचएयू में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर आयोजित प्रशिक्षण समारोह का समापन

बिना परिरक्षण के 30 फीसद फल-सब्जी हो जाते हैं खराब

जागरण संवाददाता हिसार : भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परंतु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है, जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डा. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है।

परिरक्षण एक मात्र विधि है, जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है, अपितु कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है। किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य अतिथि डा. संजेश सिंह प्रशिक्षणार्थी को किट देते हुए। • जागरण

डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डा. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उपरोक्त प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था।

इस संस्थान की सहनिदेशिका डा. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित कीं।

इस दौरान डा. भुपेन्द्र सिंह व डा. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डा. सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित विश्वाविद्यालय के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम

- विशेष शिविर में 90 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया हिस्सा
- विशेषज्ञों की टीम ने प्रशिक्षणार्थियों को किया संबोधित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 2.6.2019. पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-3

25 फीसदी फल खराब रखरखाव से हो रहे नष्ट

पैकेजिंग हो तो व्यापार भी बढ़ा सकते हैं लोग

भास्कर न्यूज | हिसार

भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मगर विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का रखरखाव ठीक ढंग से न होने के कारण इनका 25 से 30 प्रतिशत हिस्सा खराब भी हो जाता है। जिससे आर्थिक हानि के साथ नुकसान भी होता है। एचएयू में कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...नभ छोर...

दिनांक 1.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5-8

फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपनाएं : सिंह

हिसार/01 जून/रिपोर्टर

भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहीं। उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। परिरक्षण एक मात्र विधि है जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है अपितु कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा मौसम में ये प्रचुर मात्रा में व सस्ते उपलब्ध रहते हैं। मौसम के बाद ये या तो मिलते नहीं और यदि मिल भी जाएं तो इनका मुल्य बहुत अधिक होता है। ऐसी परिस्थिति में फल व सब्जियों का परिरक्षण एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा स्थानीय पैदा होने वाले व बाजार से सस्ते फल-सब्जी खरीदकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाकर व उनकी अच्छी पैकिंग करके बेचने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वह इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को दूसरों में बांटे और समूह बनाकर व्यवसाय को आगे बढ़ाए। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण की सुविधा ली जा सकती है। उन्होंने ऐसी अनेक महिलाओं का उदहारण दिया जिन्होंने घरेलु स्तर पर परिरक्षण व्यवसाय आरंभ करके उसे बड़े स्तर पर ले जाकर भारी लाभ कमाया। डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गांव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित कीं। इस अवसर पर डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पाठक पक्ष....

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....6-8....

फल सब्जी परिरक्षण एक लाभकारी व्यवसाय: डॉ. संजेश सिंह

हिसार, 2 जून (निस) : भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा स्थानीय पैदा होने वाले व बाजार से सस्ते फल-सब्जी खरीदकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाकर व उनकी अच्छी पैकिंग करके बेचने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गांव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। उपरोक्त प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था। इस संस्थान की सहनिदेशिका, डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित कीं। इस अवसर पर डॉ. भुपेन्द्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स....

दिनांक ...15.6.2019... पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...3-6...

फल सब्जी परिरक्षण एक लाभकारी व्यवसायः डॉ. संजेश

हकृवि में आयोजित प्रशिक्षण समारोह में 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। परिरक्षण एक मात्र विधि है जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है अपितु कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह प्रशिक्षणार्थी को किट देते हुए।

उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा स्थानीय पैदा होने वाले व बाजार से सस्ते फल-सब्जी खरीदकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाकर व उनकी अच्छी पैकिंग करके बेचने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण की सुविधा ली जा सकती है। उन्होंने ऐसी अनेक महिलाओं का उदाहरण दिया जिन्होंने घरेलु स्तर पर परिरक्षण व्यवसाय आरंभ करके उसे बड़े स्तर पर ले जाकर भारी लाभ कमाया। डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा क्वात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गांव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। उपरोक्त प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था। इस संस्थान की सहनिदेशिका, डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित की। इस अवसर पर डॉ. भुपेन्द्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर, अमर उजाला

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 12, 6 कॉलम 2, 3, 1, 2

हकृवि ने तंबाकू को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

हिसार। हकृवि के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तम्बाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके नाकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत कराना रहा। इस अभियान के तहत अजन्ता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शुरूआत की गई थी। दुनियाभर में तम्बाकू का इस्तेमाल अकाल मृत्यु और बीमारियों का मुख्य कारण है। वर्तमान में दुनियाभर में हर साल 70 लाख से अधिक मौतें तम्बाकू के सेवन से हो रही है। कार्यक्रम के अंत में डा. दहिया ने छात्रों को धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई और छात्रों को अपने परिजनों, परिचितों व सहयोगियों को तम्बाकू के बुरे प्रभावों से अवगत कराने व तम्बाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डॉ. प्रताप सिंह सांगवान, डॉ. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।

तंबाकू बीमारियों का मुख्य कारण : दहिया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तंबाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में संचेत करना और इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत कराना रहा। अभियान के तहत अर्जता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डॉ. प्रताप सिंह सांगवान, डॉ. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 2.6.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 1-2

तंबाकू का सेवल अकाल मृत्यु का मुख्य कारण

छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया छात्रों को शपथ दिलाते हुए।

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत अजनता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरुआत की गई थी। दुनियाभर में तंबाकू का इस्तेमाल अकाल मृत्यु और बीमारियों का मुख्य कारण है। वर्तमान में दुनियाभर में हर साल 70 लाख से अधिक मौतें तंबाकू के सेवन से हो रही है। उन्होंने कहा धूम्रपान और धुएं रहित तंबाकू चबाना दोनों ही समान रूप से जानलेवा है। इससे मनुष्य में मुख्य रूप से मुंह के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग स्ट्रोक जैसी कई गंभीर बीमारियां हो जाती है। इसलिए लोगों को विशेषकर छात्रों को तंबाकू सेवन से दूर रहना चाहिए। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डा. प्रताप सिंह सांगवान, डा. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डा. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स....
दिनांक 1-6-2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

हकृवि में तम्बाकू निषेध दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तम्बाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके नाकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत कराना रहा।

इस अभियान के तहत अजन्ता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शुरूआत की गई थी। वर्तमान में दुनियाभर में हर साल 70 लाख से अधिक मौतें तम्बाकू के सेवन से हो रही है। उन्होंने कहा धूम्रपान और धुएं रहित तम्बाकू चबाना दोनों ही समान रूप से जानलेवा है। इसलिए लोगों विशेषकर छात्रों को तम्बाकू सेवन से दूर रहना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. दहिया ने छात्रों को धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई और छात्रों को अपने परिजनों, परिचितों व सहयोगियों को तम्बाकू के बुरे प्रभावों से अवगत कराने व तम्बाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डॉ. प्रताप सिंह सांगवान, डॉ. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......निलय शौमित टाइम्स......
दिनांक 1.6.2019 पृष्ठ सं. ......3...... कॉलम ...1-4...

छात्रावासों में चलाया जागरूकता अभियान

हिसार, 1 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तम्बाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत कराना रहा।

इस अभियान के तहत अजंता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शुरूआत की गई थी। दुनियाभर में तम्बाकू का इस्तेमाल अकाल मृत्यु और बीमारियों का मुख्य कारण है। वर्तमान में दुनियाभर में हर साल 70 लाख से अधिक मौतें तम्बाकू के सेवन से हो रही है। उन्होंने कहा धूम्रपान और धुएं रहित तम्बाकू चबाना दोनों ही समान रूप से जानलेवा है। इससे मनुष्य में मुख्य रूप से मुंह के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग स्ट्रोक जैसी कई गंभीर बीमारियां हो जाती है। इसलिए लोगों विशेषकर छात्रों को तम्बाकू सेवन से दूर रहना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में डा. दहिया ने छात्रों को धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई और छात्रों को अपने परिजनों, परिचितों व सहयोगियों को तम्बाकू के बुरे प्रभावों से अवगत कराने व तम्बाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का आहवान किया। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डॉ. प्रताप सिंह सांगवान, डॉ. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।